No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-8

04305

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-8 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड 'क' से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। खण्ड 'ख' से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। खण्ड 'ग' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

खण्ड - क

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. मौखिक तथा लिखित भाषा के परस्पर अन्तर को स्पष्ट करते हुए लेखन में उच्चारणात्मक प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। 20

2. हिन्दी-वर्तनी के मानकीकरण संबंधी नियमों की उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। 20

3. हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों एवं उनके व्यवहार क्षेत्र पर प्रकाश डालिए। 20

4. संपादन का अर्थ स्पष्ट करते हुए संपादन की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाइए। 20

खण्ड-ख

निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर *250* शब्दों में दीजिए।

5. प्रशासनिक शब्दावली का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएं बताइए। **10**

6. हिंदी की विभिन्न अन्वितियों पर प्रकाश डालिए। **10**

7. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिए। **10**

8. कार्यालयी हिंदी की वाक्य संरचना को समझाइए। **10**

9. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए। **10**

10. संपादन के विभिन्न प्रकारों पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। **10**

11. वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। **10**

12. वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन के स्वरूप को समझाइए। **10**

खण्ड-ग

*इस खण्ड के **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

13. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *50* शब्दों में दीजिए : **2x5=10**

    (क) सम्पर्क भाषा का अर्थ

    (ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति

    (ग) प्रारूपण का अर्थ

    (घ) अनूदित लेखन

    (ङ) हिंदी सलाहकार समिति

14. निम्नलिखित शब्दों के ***हिंदी पर्याय*** बताइए : **1x5=5**

    (a) Increment

    (b) All India Radio

    (c) Under consideration

    (d) Board of Directors

    (e) Superintendent

15. निम्नलिखित में से ***सही*** अथवा ***गलत*** कथन का उल्लेख कीजिए : **1x5=5**

    (क) हिंदी को 26 जनवरी 1965 से राजभाषा घोषित किया गया था।

    (ख) आपसी बोलचाल की भाषा को राजभाषा कहते हैं।

(ग) प्रशासनिक कार्यों की भाषा सीधी-सपाट और वस्तुनिष्ठ होती है।

(घ) हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली का मूल स्रोत अंग्रेजी प्रशासनिक शब्दावली है।

(ङ) हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली में उर्दू के शब्द नहीं है।